

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... *The Times of India* .....  
दिनांक ७.९.२०१९ पृष्ठ सं. ..... ५ ..... कॉलम ..... । .....

## HAU ties up with Finnish firm

**Hisar:** Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAS), Hisar, has signed a memorandum of understanding (MoU) with Fortum India, a Finnish clean-energy company, to implement innovative technologies for conversion of crop residue into eco-friendly, technically efficient and economically viable bio-waste value added products.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... समझौता  
दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 3-8

## अच्छी खबर

प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

## फिनलैंड की कंपनी और एचएयू में पराली से फाइबर बनाने के लिए हुआ अनुबंध

### माई सिटी रिपार्टर

हिसार। धान की पराली से फाइबर बनाने को लेकर शुक्रवार को हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) और फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया के बीच अनुबंध किया गया। फोर्टम इंडिया की तरफ से कंपनी के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के वाइस चैसलर प्रो. केपी सिंह ने बताया कि फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी कैमिकल्स बनाने पर काम कर रही है।

एचएयू में इस प्रोजेक्ट में उनकी मदद करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकीयों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने में मथम होगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है।

उन्होंने बताया कि फोर्टम की साझेदारी



एचएयू और फिनलैंड की कंपनी के बीच एमओयू के दौरान उपस्थित अधिकारी।

में चावल के भूसे और अन्य कृषि बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति मूँखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सहायता और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ शमिल होगी। फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल ने कहा कि एचएयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य करके वह कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को आर्थिक बनाने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी फैजुर रहमान, यूनिवर्सिटी के कूलसचिव डॉ. श्रीआर कंबोज, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिंदूपुरिया आदि उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... फैनीक मालिक  
दिनांक .. 9. 9. 2019. पृष्ठ सं. .... 2 ..... कॉलम ... 2-7 .....

## पर्यावरण बचाने की छवायद • एशिया का पहला एशी-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित, प्रदूषण कम करने में होगा सहायक फिनिश कंपनी फोर्टम और एचएयू मिलकर धान की पराली से बनाएंगे फाइबर

मास्टर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने फोर्टम इंडिया के साथ अनुबंध किया है। इसके तहत दोनों मिलकर धान की पराली से फाइबर बनाएंगे। यह अनुबंध कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हुआ। फोर्टम इंडिया की तरफ से प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू से रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एसके सहायता ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि हम किसान के उत्थान के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल बातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। इसी कड़ी के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी केमिकल्स बनाने पर काम कर सही फिल्टर्ड की कंपनी फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सहयोग करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लांगू कर फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने

में सक्षम होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एशी-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। आशा है कि हम एक साथ मिलकर समझ समाधान पा सकते हैं जोकि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ किसानों के उत्थान में भी सहायक होगा। फोर्टम की साझेदारी में चावल के भूसे और अन्य कृषि-बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति श्रृंखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सहायता और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ शामिल होगी।

इस अवसर पर फैजुर रहमान, हेंड बायो 2 एक्स, फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और विश्वविद्यालय के डॉ. बीआर कम्बोज, कुलसचिव, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन, डॉ. राजवीर सिंह, अधिकारी मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डॉ. मंजू सिंह टोक, प्रभारी आईपीआर, डॉ. सीमा रानी, नोडल अधिकारी, एवं आदि उपस्थित थे।

### कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने में मिलेगी मदद



फिनिश कंपनी फोर्टम के साथ एचएयू के पदाधिकारी अनुबंध पत्र दिखाते हुए साथ में कुलपति प्रो केपी सिंह।

फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल का मानना है कि एचएयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य कर वे कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनने और उनके जीवन स्तर

को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हमारे बायो 2 एक्स कार्यक्रम के तहत, फोर्टम कृषि अवशेषों, लकड़ी के बायोमास, जीवाशम तथा अन्य पर्यावरणीय रूप से हानिकारक कच्चे माल को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलने के लिए प्राकृतिक संसाधन दक्षता की दिशा में तेजी लाने के उद्देश्य से बायो रिफाइनरियों की स्थापना करना चाहता है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....

दीर्घ भूमि

दिनांक १. ९. २०१९ पृष्ठ सं. १२ कॉलम .....२६.....

## हक्कि व फिनिश कंपनी फोर्टम के बीच हुआ अनुबंध

# अब धान की पराली से बनाए जाएंगे फाइबर

टाइबूली न्यूज ऐडिशन

धान की पराली के जलाने से होने वाले प्रदूषण से बचाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने फिनिश कंपनी फोर्टम से करार किया है। इसके तहत धान की

■ समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पराली से फाइबर तैयार किया जाएगा। हक्कि फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने में सक्षम होंगे। यह करार विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में किया गया। फोर्टम इंडिया के तरफ

से प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल तथा विवि की ओर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहायते ने हस्ताक्षकर किए।

**एग्री-वेस्ट नैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया : कुलपति**

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि हम किसान समुदाय के उत्थान के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। इसी कड़ी के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जो धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी कैमिकल्स बनाने पर काम कर रही है, को सहयोग करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल करने में सक्षम होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने



के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। हमे आशा है कि हम एक साथ मिलकर समग्र समाधान पा सकते हैं जो कि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ किसानों के उत्थान में भी सहायक होगा। फोर्टम की साझेदारी में चावल के भूसे और अन्य कृषि बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति श्रृंखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सहायिता और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ

शामिल होगी।

**आपशिष्टों को गूल्यवान उत्पादों में बदलने तें सक्षम होंगे : एगडी**

फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल का मानना है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य करके वे कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय

समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हमारे बायो-२ एक्स कार्यक्रम के तहत, फोर्टम कृषि अवशेषों, लकड़ी के बायोमास, जीवाशम तथा अन्य पर्यावरणीय रूप से हानिकारक कच्चे माल को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलने के लिए प्राकृतिक संसाधन दक्षता की दिशा में तजीजी लाने के उद्देश्य से बायो रिफाइनरियों की स्थापना करना चाहता है। इस अवसर पर फोर्टम इंडिया के बायो-२ एक्स के प्रमुख फैज़र रहमान और विवि कुलसचिव डॉ बीआर कंबोज, मानव संसाधन प्रबंधन के निदेशक डॉ. एमएस सिंहपुरिया, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह, आईपीआर प्रभारी डॉ. मंजू सिंह टोंक, एवं नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गर्नी आदि उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पैट्रोनक ज्ञानारण  
 दिनांक ..... १९.२०१९ पृष्ठ सं. ..... १९ ..... कॉलम ..... २५.....

## हकूमि के पुस्तकालय में नहीं हो सकेगी पुस्तकों की चोरी, आरएफआइडी का किया उद्घाटन

छात्रों और शिक्षकों को स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने व वापस करने की मिलेगी सुविधा

जागरण संगादाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में अब कोई बिना इश्यू करवाए पुस्तकें नहीं ले जा सकेगा। विवि के पुस्तकालय में शुक्रवार को रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टे कनोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी। वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इश्यू की। आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों



मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से पुस्तक इश्यू करवाते हुए। • जागरण

### इस तरह से रोकेगी चोरी

यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो तंरगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है। जिसमें रेडियो इलेक्ट्रॉनिक मैग्नेटिक चिप लगी है। इस तकनीक में आरएफआइडी टेग, टेग रीडर, एटेना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आइडी कार्ड और सर्वर का उपयोग होता है। टेग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता

है व इन्हें टेग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डी-एक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टेग डी-एक्टीवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एटेना उसे पहचान लेते हैं।



प्रो. केपी सिंह आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स से पुस्तक वापस करते हुए।

का प्रदर्शन किया गया। प्रो. केपी सिंह ने डा. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया। डा. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

पुस्तकों के लिए लाइन में लगने की नहीं होगी जंरूरत : प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने और वापस करने के लिए लाइन में

लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस टेक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टेग लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

प्रैन्ट मास्टर

दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-7

## वीसी ने किया शुभारंभ : रेडियो फ्रिवर्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी से लैस हुआ एचएयू का नेहरू पुस्तकालय चिप सिस्टम से रुकेगी किताबों की चोरी, स्टूडेंट्स खुद इश्यू कर सकेंगे बुक्स

मास्टर न्यूज़ | दिल्ली

### शिक्षकों ने किया पुस्तक प्रदानी का अवलोकन

एचएयू के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिवर्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आएफआईडी) का सुधारणीकृत इसका उद्घाटन एकान्तर में हो गया। यहाँ होने वाले बहुत ज्ञानी और कौशिक लोगों ने किया। श्री. रित्यान ने आएफआईडी सिस्टम लॉगो होने वाले बहुत ज्ञानी और कौशिक लोगों के गुरु होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहाँ एक ओर स्थान पुस्तकों प्रयोग करने वाले वायरल करने की सुविधा होगी, वहीं पुस्तकों की चोरी होने की आरोपी समाचार होगी। इस दौरान कुरुक्षेत्र ने स्वयं के खाते में आएफआईडी इन्सीग्नियत नियोजन से एक पुस्तक इश्यू की व आएफआईडी कुक होने वाला के माध्यम से दूसरी पुस्तक को लाया किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयका को बधाई दी।



गुरुवार को एचएयू का नेहरू लाइब्रेरी में रेडियो फ्रिवर्वेंसी पर आधारित लकड़ीक का सुधारणीकृत इसका लाया करते हुए चोरी की खातिर किया गया।

### इस तकनीक पर आधारित है यह सिस्टम

यह आएफआईडी लकड़ीकी रोडियो लैंपों पर आधारित है जो उन पस्तकों को आवासी में पहचान देती है जिसमें रेडियो इलेक्ट्रॉनिक मीट्रोटिक चिप लगी होती है। इस लकड़ीक में आएफआईडी ट्रैग, ट्रैग रीटर, सिक्सीटीटी मेट, इन्कोमेशन चिपलैस, स्मार्ट अर्डीडी कार्ड तथा सर्कर का इक्सेप्लोरर होता है। ट्रैग को प्राप्तक पुस्तक वे चिपकाया जाता है व इन ट्रैग रीटर के द्वारा लैटिकेट व लैटिकेट चिप का लाइसेंस कर पुस्तक का सुरक्षित ग्राहक करने का लायक होता है। जब पाठ्यकालीन पुस्तकों को लैटिकेट से छोड़ते जब तक वे रोकती ही है इसके साथ पाठ्यकालीन पुस्तकालय में गलत लागू पर रखी रुक्कास का तुर्की ग्रंथ पुस्तकों को हड़ रोकती ही है इसके साथ पाठ्यकालीन पुस्तकालय के लागू का भौतिक सत्याग्रह तो जाते हैं तथा सुधार में लागत नहीं जाता। यह यदि कोई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....  
दिनांक ... १९.२०१९ पृष्ठ सं. १३ कॉलम २६

दूरी भूमि

हक्कि में रेडियो फ्रिवेली आइंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी का शुभारंभ

# विद्यार्थियों व शिक्षकों को पुस्तकें लेने व देने में नहीं होगी परेशानी: कुलपति

■ कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोरस्क से एक पुस्तक इशु की

हाईग्रेज न्यूज ॥ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिवेली आइंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहाँ एक और स्वयं पुस्तके प्राप्त करने एवं वापस करन की सुविधा होगी वहाँ दूसरी तरफ पुस्तकों की ओरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते



हिसार। आरएफआइडी टेक्नोलॉजी का उद्घाटन करते प्रो. केपी सिंह।

में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोरस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी चुक ढांप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है।

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलबान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक

प्राप्त करने व वापस करने हेतु लाइन में लागने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टेक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि

प्रो. केपी सिंह ने डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फैरेस्टी फ्रिमेशर का विमोचन भी किया। डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि यह

रीडर, एटीना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोरस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हे टैग रीडर के द्वारा एकटीवेट व डाइएकटीवेट किया जाता है।

जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग एकटीवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना एकटीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एटीना डस्टे पहचान लेते हैं तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशु करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के राजस्ट्रार, ओएसडी व सभी अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... -पंजाब के सरी  
दिनांक ७.९.२०१९... पृष्ठ सं. .... ५..... कॉलम ... १-५.....

# अब नहीं होंगी पुस्तकें चोरी, आर.एफ.आई.डी. सिस्टम लागू

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिकवैसी आईडैन्टिफिकेशन टैक्नोलॉजी का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आर.एफ.आई.डी. सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी वहाँ, दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

**व्या है आर.एफ.आई.डी.  
तकनीक**



मुख्यातिथि प्रो. के.पी. सिंह आर.एफ.आई.डी. इंफॉर्मेशन कियोस्क से पुस्तक इशु करवाते हुए।

यह आर.एफ.आई.डी. तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलैक्ट्रॉनिक

मैग्नेटिक चिप लगी होती है। इस तकनीक में आर.एफ.आई.डी. टैग, टैग रीडर, एटिना लगा सुरक्षा गेट, इंफॉर्मेशन कियोस्क, स्मार्ट आई.डी.

कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हें टैग रीडर के द्वारा एकटीवेट व डीएकटीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएकटीवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएकटीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते हैं तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशु करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। यह तकनीक पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छिपाई गई पुस्तकों को हैंडहैल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... नम चौर  
दिनांक ..... ९.१.२०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम १-६

## हफ्ते के नेहरू पुस्तकालय में आरएफआइडी आरंभ

हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापिस करने की सुविधा होगी वहां दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन किंयोस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापिस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने

पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने डॉ. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ़ेशर का विमोचन भी किया।

डॉ. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय में सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने हेतु लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू



करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग, लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एप्लिकेशन को जोड़ा गया है। यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो टंरगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलेक्ट्रॉनिक मैग्नेटिक चिप लगी होती है। इस

तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, एंटीना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हे टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टीवेट हो

जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इश्क करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता।

यह तकनीक पुस्तकों की चोरी को तो रोकती ही है इसके साथ पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छुपाई गई पुस्तकों को हैंड हैल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है। इस रीडर के माध्यम से लाखों पुस्तकों के संग्रह का भौतिक सत्यापन तीव्र गति से एवं सही ढंग से किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, औपसदी व सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अधिकारी उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स  
 दिनांक ६. ९. २०१९. पृष्ठ सं. २ कॉलम ३-६

## एचएयू में आरएफआइडी का शुभारंभ

### पुस्तकें लेने व देने के लिए अब नहीं लगना पड़ेगा लाइनों में

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेटिफिकेशन टैक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापिस करने की सुविधा होगी वहीं दूसरी ओर पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापिस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाभ्यास को बधाई दी। कायोक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के



हिसार। मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह पुस्तक का विमोचन करते हुए।

### तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगाए

पुस्तकालयाभ्यास प्रो. गलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एप्लिकेशन को गोड़ा गया है।

अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी

शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह ने डॉ.

शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह ने डॉ.

बिमलेंद्र कमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फॉरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .....

नित्य दृष्टि २०१९

दिनांक .६.९.२०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ३-४

## नई तकनीक शुरू होने से विद्यार्थियों व शिक्षकों को होगा फायदा : केपी

हिसार, 6 सितम्बर (निस)। करने एवं वापिस करने की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरु पुस्तकालय में रेडियो पुस्तकों की बोरी होने की अशंका समाप्त होगी। इस दीर्घ तकनीलॉजी (आरएफआइडी) का गुणांभ द्वारा जिसका उद्यानन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. केपी. सिंह ने किया।

प्रौ. सिंह ने आरएफआइडी कुलपति ने किया नेहरु पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडिंटिफिकेशन

टैक्नोलॉजी  
(आरएफआइडी)  
का शुभारंभ

कर्यक्रम के दीर्घ प्रौ. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रौ. केपी. सिंह ने डॉ. विमलेन्दु कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिकेशर का विमोचन भी किया। डॉ. विमलेन्दु कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक और स्वयं पुस्तक प्राप्त



उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभासी परीक्षणों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत बढ़यांगी है।

इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रौ. वल्लभान निस ने बताया कि अब जिसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने के लिए लाइन में लगाने की विश्वास करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस इलेक्ट्रॉनिक मैट्रिक्सिंग तिप लगी

टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग दोन लाख कितायों पर आरएफआइडी द्वारा लगाया गया है य विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के लिए लगा सुरक्षा गेट, स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एप्पलिकेशन को जोड़ गया है। यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो चरणों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलेक्ट्रॉनिक मैट्रिक्सिंग तिप लगी

होती है। ऐसे करेगी तकनीक काम : इस तकनीक में आरएफआइडी ट्रैग, ट्रैग वीडर, एंट्रिंग लगा सुरक्षा गेट, इन्कोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। ट्रैग को प्रावेक पुस्तक में लिप्तवाया जाता है य इन ट्रैग वीडर के द्वारा एक्ट्रिवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का

उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो ट्रैग एक्ट्रिवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का विना एक्ट्रिवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट ये लगे एंट्री उसे पहचान लेते हैं तथा गेट खंडन करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को विना इशु करवाएँ यह पुस्तकालय के बाहर नहीं से जा पाता। यह तकनीक पुस्तकों की बोरी को तो रोकती ही है इसके साथ पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गतिंजलि पर रखी पुस्तकें या सुर्जिंग गई पुस्तकों को हैंड हैल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है। इस रीडर के माध्यम से लाइनें पुस्तकों के संग्रह का भौतिक संत्वाप तीव्र गति से एवं सही ढंग से किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एजेंट्स, ओएसडी व सभी अधिकारी, निदेशक व अधिकारी उपस्थित हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दीनांक ..... ११.१.२०१९ पृष्ठ सं. ..... ३ कॉलम ..... १-५

दीनांक मार्क्युले

## एचएयू में जापान से आए स्टूडेंट्स ने कृषि के क्षेत्र में बढ़ते कदमों को जाना, विहिवि का किया दौरा

कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया

भारत न्यूज़ | हिसार

अनुसंधान और शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने के लिए जापान के टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों की टीम ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके। यह दल नोंडिया समर प्रोग्राम के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कॉलेज, नैनोबायोटेक्नोलॉजी व मॉलेकुलर



एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह जापानी दल के साथ।

बायोटेक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली।

इस दल ने हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। मुलाकात के दौरान डॉ. दलविन्द्र तथा डॉ. लोमेश भी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अभ्युज्ज्ञाता  
दिनांक ७.९.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ७-८

## जापान के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों ने किया एचएयू का दौरा

हिसार। चौधरी  
चरण सिंह हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय  
द्वारा किए गए  
अनुसंधान व शिक्षण  
के बारे में जानने व  
रोजगार के नए  
अवसर तलाशने के  
लिए टोकयो कृषि  
विश्वविद्यालय  
जापान के दो कृषि  
वैज्ञानिक एवं तीन  
विद्यार्थियों की टीम



ने कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों  
विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि  
औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए  
जा सके। यह दल नोडिया समर प्रोग्राम 2019 के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत  
विश्वविद्यालय के दीरे पर आया है। इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कालेज,  
नैनोबॉटेक्रोलोजी व मॉलेकुलर बॉयटेक्रोलोजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया,  
नरसंरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर  
आगेंनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे  
विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दल ने हिसार के आसपास के गांवों में भ्रमण  
करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी  
पालन, मशरूम, मछली पालन, बर्माक्स्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के  
दौरान डॉ. दलविंद्र और डॉ. लोमेश भी उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब के सरी  
दिनांक ७.९.२०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ५-६



कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जापानी दल के साथ।

## हक्कि के अनुसंधानों को जानने जापान से आया वैज्ञानिक दल

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अनुसंधान व शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने हेतु टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय, जापान के 2 कृषि वैज्ञानिक एवं 3 विद्यार्थियों की टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके।

यह दल नेडिया समर प्रोग्राम 2019 के 10 दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है।

इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कालेज, नैनोबायो टैक्नोलॉजी व मॉलेकुलर बायोटैक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सैटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एच.ए.यू. मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दल ने हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूखम व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के दौरान डा. दलविंद्र तथा डा. लोमेश भी उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... नम्. द्यू  
दिनांक 6.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

## जापानी दल ने किया हकूमि का दौरा



### हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अनुसंधान व शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने हेतु टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय, जापान के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों की टीम ने के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके। यह दल नोडिया समर प्रोग्राम 2019 के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत

विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विभिन्न कॉलेज, नैनो बायोटेक्नोलॉजी व मॉलेकुलर बायोटेक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया। यह दल हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिला तथा बांगवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्माकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के दौरान डॉ. दलविन्द्र तथा डॉ. लोमेश भी उपस्थित थे।